कोटद्वार, बुधवार
5 नवम्बर 2025
वर्ष: 47
अंक: 173 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तुंगनाथ के कपाट 6 नवम्बर को होंगे शीतकाल के लिए बंद

रुद्रप्रयाग। पंचकेदारों में तृतीय केदार तुंगनाथ धाम के कपाट 6 नवम्बर को वैदिक मंत्रों के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इसके लिए बदरी–केदार मंदिर समिति तैयारियां कर रही है। शीतकाल के छह माह भगवान की पूजा अर्चना शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ में की जाएगी। आगामी 6 नवम्बर को करीब 11.30 बजे विधि–विधान के साथ भगवान तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बन्द किए जाएंगे। इसी दिन भगवान की तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली अपने प्रथम रात्रि प्रवास के लिए चोपता पहुंचेगी। 7 नवम्बर को भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली बनियाकुण्ड, दुगलविट्टा, मक्कू बैण्ड, हूण्हू व वनातोली को रात्रि प्रवास के लिए भनकुण्ड पहुंचेगी। 8 नवम्बर को भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली भनकुन से प्रस्थान कर शीतकालीन गद्दीस्थल मार्केडेय मंदिर मक्कूमठ में विराजमान होगी। जिसको लेकर बदरी–केदार मंदिर समिति ने तैयारियां अंतिम चरण में है। मंदिर समिति के प्रबंधक बलवीर नेगी ने बताया कि 6 नवम्बर को लगभग साढे 11 बजे तुंगनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। साथ ही डोली प्रस्थान का कार्यक्रम के अनुसार 8 नवम्बर को डोली अपने शीतकालीन गददीस्थल में विराजामन होगी। बताया कि मंदिर समिति की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कीर्तिनगर में अलकनंदा के तेज बहाव में महिला समेत दो लोग बहे

श्रीनगर गढ़वाल।कीर्तिनगर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ढुंढप्रयाग घाट में डुबकी लगाते हुए दो लोग अलकनंदा की तेज धारा में बह गए। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। देर शाम तक बहे लोगों का पता नहीं चल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाबौ ब्लॉक के जबरोली गांव से पूजा पाठ करने के लिए 15 लोग ढुंढप्रयाग घाट पहुंचे थे। पूजा पाठ खत्म होने के बाद एक महिला अलकनंदा में डुबकी लगाने गयी तभी वह अलकनंदा नदी के तेज बहाव में बहने लगी। तभी पास में गांव के एक व्यक्ति ने महिला को बचाने के लिए अलकनंदा नदी में छलांग लगा दी, लेकिन वह भी तेज बहाव में बहता चला गया। स्थानीय निवासी सूरज नौटियाल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने खोजबीन की तो, लेकिन देर शाम तक कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। कोतवाली कीर्तिनगर के वरिष्ठ उपनिरीक्षक केएल आर्य ने बताया कि महिला की पहचान आशा देवी (40) पत्नी गजपाल सिंह गुसांई, निवासी जबरोली पौड़ी गढ़वाल और जसवंत सिंह गुसांई (54) निवासी जबरोली पौड़ी गढ़वाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है, लेकिन अभी तक कोई भी सुराग हाथ नहीं लगा है। दोनों को तलाशने का अभियान जारी है।

ढाई लाख से अधिक की स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में पुलिस टीम ने एक युवक को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अल्मोड़ा पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली अल्मोड़ा और एसओजी/एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात लोअर माल रोड सिमकनी ग्राउंड के पास चेकिंग के दौरान एक युवक को 8.45 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया। बरामद स्मैक की कीमत करीब ढाई लाख रुपये आंकी गई है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा योगेश चन्द्र उपाध्याय और प्रभारी एसओजी निरीक्षक भुवन जोशी के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार देर रात चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध रूप से घूम रहे एक युवक सोहिल सैफी (21 वर्ष), पुत्र मुस्ताक अहमद, निवासी बरेली रोड, जोशी विहार वार्ड नंबर 59, हल्द्वानी, जिला नैनीताल को रोका गया। तलाशी में उसके कब्जे से 8.45 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी हल्द्वानी से स्मैक लाकर ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में था। पूछताछ में पता चला कि वह स्वयं भी नशे का आदी है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली अल्मोड़ा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पीएनबी घोटाला : भारत प्रत्यर्पण पर फिलहाल रोक!

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में दी फैसले को चुनौती

नई दिल्ली ,13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में भारत को बड़ा झटका लगा है। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के फैसले को चुनौती दे दी है, जिससे उसके भारत लाए जाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लग गई है। चोकसी ने 30 अक्टूबर को बेल्जियम के 'कोर्ट ऑफ कैसेशन (सुप्रीम कोर्ट) में यह अपील दायर की। उसने एंटवर्प की अपीलीय अदालत के 17 अक्टूबर के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को 'लागू करने योग्यज्ञ माना गया था। एंटवर्प की अपीलीय अदालत ने 17 अक्टूबर को अपने फैसले में जिला अदालत के 29 नवंबर, 2024 के आदेश को सही ठहराया था। अदालत ने मुंबई की विशेष अदालत द्वारा मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को 'लागू करने योग्य करार दिया था। इस फैसले से मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता लगभग साफ हो गया था। अपीलीय अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर उसे निष्पक्ष सुनवाई से वंचित नहीं किया जाएगा और न ही उसके साथ दुर्व्यवहार का कोई खतरा है। 'कोर्ट ऑफ कैसेशन बेल्जियम की सर्वोच्च अदालत है, जो केवल कानूनी पहलुओं की जांच करती है। यह अदालत यह सुनिश्चित करती है कि निचली अदालतों ने कानून का सही तरीके से पालन किया है या नहीं। मेहुल चोकसी की इस अपील के कारण, जब तक सुप्रीम कोर्ट इस मामले की बारीकी से जांच कर अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देती, तब तक प्रत्यर्पण की कार्रवाई को रोक दिया गया है।

इंदौर में गहरी खाई में गिरी यात्री बस: दर्दनाक हादसे में 3 की मौत

भोपाल/इंदौर ,इंदौर के महू में सोमवार रात एक यात्री बस के खाई में गिरने से 3 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना पर सीएम डॉ मोहन यादव ने संवेदना जताते हुए मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक हादसा भेरूघाट पर हुआ जब बस एक कार से टकरा गई, जिसके बाद दोनों वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गए। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बस में तीन दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। दुर्घटना में दो महिला समेत 3 यात्री की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल बताए जा रहे हैं। ओंकारेश्वर से इंदौर आ रही बस में फंसे यात्रियों को क्रेन की मदद से खाई से बाहर निकाला गया। हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इस हादसे में तीन नागरिकों की मौत होना अत्यंत पीड़ादायक है। मृतक परिवारों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2–2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

सीएम धामी ने किया श्रीनगर में आयोजित बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले का वर्चुअल शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को श्रीनगर, पौड़ी में आयोजित बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले के शुभारंभ अवसर पर जनता को वर्चुअल संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीनगर गढ़वाल में स्थित माँ धारी देवी और भगवान कमलेश्वर महादेव के पौराणिक मंदिर सम्पूर्ण उत्तराखंड की अनमोल धरोहर है। प्रत्येक वर्ष बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित होने वाला यह मेला आस्था एवं समृद्ध सांस्कृतिक लोक परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा इस प्रकार के पारंपरिक मेले हमें हमारी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ा रही है। राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और कनेक्टिविटी सहित अनेकों क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश के विकास के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को भी संरक्षित किया जा रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत पुनर्निमाण कार्य चल रहे हैं। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेजी के साथ चल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन के पूर्ण होने पर श्रीनगर के साथ पूरे गढ़वाल क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा श्रीनगर क्षेत्र में अनेकों विकास कार्य भी करवाए जा रहे हैं। 4 करोड़ 88 लाख की लागत से रोडवेज बस स्टेशन एवं पार्किंग का निर्माण किया गया है। अलकनन्दा नदी के किनारे गंगा संस्कृति केंद्र का निर्माण कार्य, श्रीनगर नगर पालिका को नगर निगम बनाया गया है। 37 करोड़ से अधिक की लागत से मढ़ी–चौरास–जाखड़ी पंपिंग पेयजल योजना का निर्माण भी किया जा रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रीनगर के बेलकेदार और बेलकंडी मार्ग से लगे क्षेत्र में एक नई टाउनशिप स्थापित करने, श्रीनगर नगर निगम के दायरे में आने वाले सभी मोहल्लों तक सीवरेज की व्यवस्था पहुंचाने, ट्राइडेंट पार्क निर्माण, पुराने कलैक्ट्रेट भवन को हैरिटेज भवन के रूप में विकसित करने, धारी देवी मंदिर पैदल मार्ग का निर्माण, गोला पार्क का सौंदर्गीकरण कार्य जैसी विभिन्न विकास योजनाओं पर भी कार्य किया गया है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की ड्रोन व युद्धक तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली ,थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी लगातार सैन्य तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। बीते दिनों कई सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके सेना प्रमुख ने अब ड्रोन तैयारियों, प्रशिक्षण में नवाचार समेत विभिन्न विषयों का निरीक्षण किया। दरअसल थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने खड़गा कोर का दौरा किया है। यहां उन्होंने ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें युद्धक क्षमता को सुदृढ़ करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, अंतर–एजेंसी समन्वय को बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी पहलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

गौरतलब है आधुनिक युद्धों के तौर तरीके व तकनीक लगातार बदल रही है। अब पारंपरिक युद्धों की भांति जंग केवल बंदूक व तोपों तक सीमित नहीं रह गई है। आज के युद्धों में ड्रोन व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा रोबोट और डेटा वॉरफेयर ने भी इन्फैंट्री को नई दिशा दी है। इसकी एक मजबूत तस्वीर खड़गा कोर में देखने को मिलती है। यहां ड्रोन जैसी तकनीक को व्यापक स्तर पर उपयोग में लाया जा चुका है। सेनाध्यक्ष ने जहां यहां ड्रोन तैयारियों की जानकारी ली वहीं उन्होंने कोर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना भी की। उन्होंने ड्रोन डिजाइन एवं प्रशिक्षण में नवाचार, लॉजिस्टिक्स और प्रशासन में उन्नत तकनीकी समाधान अपनाने, पूर्व सैनिकों व परिवारों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा ऑपरेशन राहत के अंतर्गत मानवीय सहायता गतिविधियों की प्रशंसा की। थलसेना प्रमुख ने यह भी रेखांकित किया कि खड़गा कोर द्वारा मिलिटरी–सिविल फ्यूजन को प्रोत्साहन देकर सस्टेनेबल सिक्योरिटी की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है। यहां मौजूद सभी अधिकारियों और जवानों के साथ बातचीत के दौरान, जनरल द्विवेदी ने उनकी पेशेवर दक्षता, निष्ठा और राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट समर्पण की प्रशंसा की। भारतीय सेना की शक्ति उसके कर्मयोगियों की प्रतिबद्धता, साहस और अनुशासन में निहित है, और यही भावना सेना को हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाती है। सेनाध्यक्ष का यह दौरा न केवल कोर की तैयारियों का मूल्यांकन था, बल्कि यह सैनिकों के उत्साहवर्धन और भारतीय थलसेना की सतत आधुनिकीकरण प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

स्मैक तस्करी के दोषी को पांच साल के कठोर करावास की सजा

विकासनगर। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस नंदन सिंह की अदालत ने स्मैक तस्करी के दोषी को पांच साल के कठोर कारावास और पचास हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मामला वर्ष 2014 का है। सहसपुर थाना पुलिस ने गालिब पुत्र जाहिद हुसैन, निवासी ग्राम माजरी पोस्ट सभावाला को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से पुलिस ने एक हजार रुपये, स्मैक की चार पुड़िया और 110 ग्राम चरस बरामद की थी। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया था। मामले में अदालत ने आरोपी को एक नवंबर को दोषी करार दिया था। सोमवार को सजा के मामले में सुनवाई हुई। साक्ष्यों, गवाहों और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश एनडीपीए ऐक्ट नंदन सिंह की अदालत ने दोषी को पांच साल के कठोर कारावास और पचास हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

हरिद्वार में बुलडोजर एक्शन, ध्वस्त की गई मजार, भारी पुलिस फोर्स तैनात

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में अवैध धार्मिक संरचनाओं पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। हरिद्वार जिला प्रशासन का बुलडोजर अक्सर अतिक्रमण के खिलाफ गरजता नजर आ रहा है। मंगलवार को रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के पथरी रोह पुल के पास करीब 2 बीघा सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। बताया जाता है कि यह मजार सिंचाई विभाग की जमीन पर बना था।

इस अतिक्रमण के खिलाफ सिंचाई विभाग की ओर से नोटिस जारी किए गए थे। पहले मजार से संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया गया था लेकिन निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया।इसके बाद प्रशासन ऐक्शन लिया और बुलडोजर चलाकर करीब 2 बीघा सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को जमींदोज कर दिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के बाद पूरे उत्तराखंड में सरकारी जमीन पर बने अवैध धार्मिक ढांचों के खिलाफ तेजी से अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारी पुलिस फोर्स तैनात रही ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दावा किया था कि उत्तराखंड में अब तक 9000 एकड़ से अधिक जमीन इसी तरह के अवैध कब्जों से खाली कराई गई है। सीएम ने कहा था कि सूबे में कोई भी हरे रंग की चादर डालकर सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि उत्तराखंड के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ नहीं किया जाना चाहिए। इसी संकल्प को लेकर सूबे में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून लागू किया गया है। साथ ही प्रशासन की ओर लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है।

न लालू प्रसाद का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा, न सोनिया गांधी का बेटा प्रधानमंत्री : शाह

दरभंगा , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी का नाम लेते हुए परिवारवाद पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो नेता अपने बेटा–बेटी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, वे युवा, गरीबों, किसानों और जीविका दीदी की चिंता नहीं कर सकते हैं। दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, लालू–राबड़ी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। मैं दोनों को कहना चाहता हूं कि न लालू–राबड़ी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा, न सोनिया गांधी का बेटा प्रधानमंत्री। उन्होंने आगे कहा, बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने हुए हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने हुए हैं। इन लोगों (तेजस्वी यादव और राहुल गांधी) के लिए कुर्सी खाली नहीं है। दोनों जगह कोई वैकेंसी खाली नहीं है।

गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा, जो नेता अपने बेटा–बेटी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, क्या वे जाले के युवाओं की चिंता कर सकते हैं? क्या वे जीविका दीदी, किसान, गरीब और मछुआरा की चिंता कर सकते हैं? इन सभी लोगों की चिंता सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार कर सकते हैं।

अमित शाह ने राहुल गांधी की बिहार यात्रा पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, जाले में राहुल गांधी ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली। मैं कहना चाहता हूं कि देश में जितनी भी घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकालनी है, निकाल लो, हम घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने का काम करेंगे। बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा, ये सिर्फ यहां के लोग तय कर सकते हैं, बांग्लादेश के लोग तय नहीं कर सकते हैं। जनसभा के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री ने लालू प्रसाद पर लगे घोटालों की लिस्ट गिनाई। उन्होंने कहा, लालू जी ने भी काफी कुछ किया है। चारा घोटाला किया, लैंड फॉर जॉब स्कैम किया, होटल बेचने का घोटाला, अलकतरा घोटाला किया, बाढ़ राहत घोटाला किया, भर्ती घोटाला किया और एबी एक्सपोर्ट का घोटाला किया।

लालू–राबड़ी ने इतने घोटाले किए और कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ के घपले–घोटाले किए हैं। ये बिहार का भला कर सकते हैं क्या? उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल शासन किया और बिहार में नीतीश कुमार ने 20 साल शासन किया। नीतीश बाबू और मोदी जी पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है।

200 मीटर गहरी खाई में गिरी वैगनार कार, दो युवकों की मौत; एक गंभीर रूप से घायल

चम्पावत। चंपावत जिले के सीमांत क्षेत्र डूंगरा बोरा में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार चालक मुकेश कुमार निवासी डूंगरा बोरा अपनी वैगनार कार (यूके 03टीए 2479) से लोहाघाट जा रहे थे।

कार में मुकेश के अलावा मनीषा और विक्रम राम भी सवार थे। डूंगरा बोरा के पास अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में चालक मुकेश कुमार और मनीषा की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे में घायल विक्रम राम खुद ही खाई से निकलकर सड़क तक पहुंचे। उन्हें तत्काल उपचार के लिए लोहाघाट स्थित उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बुलंदशहर में थूक जिहाद का मामला

शादी समारोह में रोटियों पर थूक लगाकर परोसीं, आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर ,उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक दलित परिवार के शादी समारोह में थूक जिहाद का बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। पहासू थाना क्षेत्र के अटेरना गांव में विक्रम कुमार बाल्मीकि की बेटी की शादी के दौरान बारातियों के लिए तैयार की जा रही तंदूरी रोटियों पर थूक लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने आरोपी दानिश को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही समारोह स्थल पर सन्नाटा छा गया, जिसके बाद बारातियों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। चश्मदीदों के अनुसार, शादी का आयोजन धूमधाम से चल रहा था। विक्रम कुमार ने अपनी बेटी की शादी के लिए गांव के सभी लोगों को आमंत्रित किया था। दावत का समय होने पर मेहमान खाने के लिए इकट्ठा हुए, लेकिन तंदूर के पास काम कर रहे एक कारीगर ने हर रोटी को तंदूर में डालने से पहले अपने थूक से गीला किया, जो किसी ने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी दानिश नाम का युवक बिना किसी हिचकिचाहट के यह घिनौना काम कर रहा था।

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया कुमाऊँ विश्वविद्यालय , नैनीताल के 20वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रतिभाग

शिक्षा न केवल हमें आत्मनिर्भर बनाती है, बल्कि हमें विनम्र होना और समाज व देश के विकास में योगदान देना भी सिखाती है : राष्ट्रपति

नैनीताल। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कुमाऊँविश्वविद्यालय, नैनीताल के 20वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल और उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। इसलिए, शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की बुद्धि और कौशल का विकास करना ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक बल और चरित्र को भी सुदृढ़ करना होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है, साथ ही हमें विनम्र होना और समाज व देश के विकास में योगदान देना सिखाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा को वंचित वर्गों की सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित करें। उन्होंने कहा कि यही सच्चा धर्म है, जो उन्हें सच्चा सुख और संतोष प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। सरकार निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए अनेक नीतिगत पहल कर रही है। ये पहल युवाओं के लिए अनेक अवसर उत्पन्न कर रही हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में शोध, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और अनुसंधान के प्रभावी अनुप्रयोग के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हिमालय अपनी जीवनदायिनी संपदाओं के लिए जाना जाता है। इन संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति यह जानकर प्रसन्न हुई कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जागरूक प्रयास कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि एक शिक्षण संस्था के रूप में कुमाऊँ विश्वविद्यालय की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियाँ भी हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के अध्यापकों और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे आस–पास के गाँवों में जाएँ, वहाँ के लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में कुमाऊँ विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के युवा विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अपनी प्रतिभा और समर्पण की शक्ति से ये युवा अपने दायित्व को अवश्य पूरा करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि आज का यह अवसर हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है कि इस दीक्षांत समारोह में हमें माननीय राष्ट्रपति महोदया का सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड में पूरे प्रदेश वासियों की ओर से राष्ट्रपति का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपके हाथों में जो उपाधि है यह तभी सार्थक होगी जब आप इसे सेवा, सत्यनिष्ठा और संवेदना के साथ जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बुद्धि का विकास नहीं बल्कि चरित्र का निर्माण भी है। ज्ञान तभी सार्थक है, जब उसके साथ नैतिकता जुड़ी हो। आज जब समाज तेजी से बदल रहा है तब विद्यार्थियों के भीतर, ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव और भी आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे हर प्रकार के नशे और ड्रग्स से दूर रहें। सच्चा आनंद नशे में नहीं बल्कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति सेवा और सृजन में है। एक शिक्षित युवा वही है जो स्वयं को और अपने समाज को सकारात्मक दिशा में ले जाए।

सम्पादकीय

वीआईपी व्यवस्था जनता की मुसीबत

राजधानी देहरादून के लिए कोई भी बड़ा आयोजन भारी परेशानियों बनकर सामने आ रहा है। फिर चाहे वह कोई धार्मिक आयोजन हो या फिर सरकारी। अति विशिष्ट लोगों की अगुवाई में प्रशासन आम लोगों को सड़क पर परेशानी के हाल में छोड़ देता है जो घंटे तक अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए सरकारी व्यवस्थाओं को कोसते नजर आते हैं। उत्तराखंड के "रजत जयंती उत्सव" के दौरान कुछ कार्यक्रम एवं अति विशिष्ट लोगों के दौरे प्रदेश की राजधानी के लोगों पर बेहद भारी गुजरे हैं। हालांकि लोगों को परेशानी से बचाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए लेकिन यह प्रबंध केवल वीआईपी की सुरक्षा व्यवस्था एवं उनकी सुविधा तक ही सीमित रही और उनके आगे राजधानी की जनता बेहद परेशान होती रही। इधर देहरादून में चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान भी भारी फजियत से लोग गुजरते हुए नजर आए। चंद मिनट का सफर गंतव्य तक पहुंचने के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया, लेकिन जिला प्रशासन ऐसी कोई यातायात व्यवस्था नहीं बन पाया जिससे आम लोगों को और असुविधा का सामना न करना पड़े। शायद प्रशासन किसी भी वीआईपी ड्यूटी के दौरान सिर्फ और सिर्फ वीआईपी की सुविधा को ही ध्यान में रखता है फिर चाहे पूरा शहर त्राहि त्राहि क्यों ना करता रहे? यही सब न केवल राजधानी देहरादून बल्कि विप मोमेंट के दौरान दूसरे शहरों में भी जनता को झेलना पड़ा है। शासन प्रशासन को पहले जनता की सुविधा को ध्यान में रखना चाहिए क्योंकि यही वह जानता है जो इन वीआईपी को उस स्तर तक पहुंचती है लेकिन ऐसे वीआईपी की अगुवाई ही उनके लिए आए दिन अब बड़ी मुसीबत बनती जा रही है। उत्तराखंड में अति विशिष्ट लोगों की सुविधा और सुरक्षा के लिए रास्ते बंद कर देना प्रशासन के लिए एक सामान्य सी बात हो गई है। इस व्यवस्था में बड़े स्तर पर सुधार करने की जरूरत है क्योंकि इस प्रकार की वीआईपी व्यवस्थाएं और एक व्यक्ति की सुविधा हजारों लाखों के लिए जी का जंजाल बन जाती है। वैसे ही राजधानी देहरादून की यात्रा व्यवस्था का हाल बद से बदतर स्थिति में है और ऐसे बड़े आयोजनों के दौरान तो शहर की स्थिति बेहद खराब हो जाती है। क्या शासन प्रशासन के पास ऐसे विकल्प नहीं है जिसमें अति विशिष्ट लोगों को आम लोगों की और असुविधा से दूर रखते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। यही स्थिति विभिन्न धार्मिक आयोजनों के दौरान निकलने वाले जुलूस एवं राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों के जुलूस प्रदर्शनों के दौरान भी जनता को झेलनी पड़ती है। इन व्यवस्थाओं में परिवर्तन की जरूरत है और जनता की सुविधा को ही शासन को सवीपरि मानना चाहिए ना कि उन्हें यातायात सुधार के नाम पर भेड़ बकरियों की तरह हांकते हुए कहीं भी गलियों में भेज दिया जाए।

ट्रेन की बोगियों में घुसने स्टेशनों पर धक्कामुक्की

सरकार को सिर्फ भगदड़ की चिंता है क्योंकि उससे इमेज खराब होती है। बाकी लोग भेड़, बकरियों की तरह लद कर जा रहे हैं, स्टेशनों पर रात बिता रहे हैं, स्टेशनों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! अगर सचमुच 12 हजार ट्रेनें चला दी जाएं और एक करोड़ लोग भी दिवाली, छठ के लिए यात्रा करने वाले हों तब भी बड़े आराम से इसे मैनेज किया जा सकता है। हर दिन दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाली भारतीय रेल के जरिए सरकार 10 दिन से ज्यादा की अवधि में करीब एक करोड़ लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा पाती है! दूसरा दीर्घकालिक सवाल यह है बिहार में सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं कर पाती है? इसमें कोई संदेह नहीं है कि 1990 से 2005 के बीच जिन कारणों से पलायन हुआ वो कारण अब मौजूद नहीं हैं। अब लोग भय से पलायन नहीं कर रहे हैं। क्लासिकल परिभाषा के हिसाब से देखें तो अब पलायन नहीं प्रवासन हो रहा है।

अजीत द्विवेदी

देश के अलग अलग हिस्सों से मीडिया और सोशल मीडिया में तस्वीरें आ रही हैं कि कैसे बिहार के लोग ट्रेन की बोगियों में घुसने के लिए स्टेशनों पर धक्कामुक्की कर रहे हैं। कैसे गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के स्टेशनों के बाहर लंबी लंबी कतारों में घंटों खड़े रह रहे हैं और उसके बाद भी ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूंस कर जा रहे हैं। अपने माता पिता के साथ बाथरूम के सामने खड़े होकर यात्रा कर रही एक छोटी सी बच्ची की ऐसी हृदयविदारक तस्वीर अखबारों में छपी, जिसे देख कर पीड़ा और क्रोध का सहज मनोभाव उमड़ आए। यह सिर्फ इस बार की घटना नहीं है। हर बार होली, दिवाली और छठ पर इस तरह की तस्वीरें आती हैं। कोरोना की महामारी में पूरे देश ने आजादी के बाद पलायन की सबसे बड़ी त्रासदी की तस्वीरें देखीं। तपती धूप में, बच्चों को कंधे पर लिए लोग पैदल चले जा रहे थे। आदमियों की कतारें चींटियों की कतारों से बेहतर नहीं थीं, जो अनायास पैरों तले कुचल जाती हैं।

इन तस्वीरों से दो सवाल उठते हैं। पहला, तात्कालिक और दूसरा दीर्घकालिक है। तात्कालिक सवाल तो यह है कि ऐसा क्या है, जो भारत की सर्व शक्तिशाली सरकार, कुछ लाख लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा सकती है? याद करें कैसे कुछ महीने पहले ऐलान किया गया था कि इस बार त्योहारों के समय 12 हजार विशेष ट्रेनें चलेंगी। सोचें, यह कितनी बड़ी संख्या है? अगर यह मान लिया जाए कि ट्रेनें कम होंगी और उनके फेरे 12 हजार होंगे तब भी यह संख्या बहुत बड़ी है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या निश्चित रूप से बड़ी है लेकिन अब तो बहुत बड़ी आबादी त्योहार मनाने लौट नहीं रही है। लोग जहां हैं वही त्योहार मना रहे हैं तभी दिल्ली में यमुना के किनारे या देश के दूसरे शहरों में नदियों के किनारे हर साल छठ करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

फिर भी जितने लोग लौटना चाहते हैं कभी भी सरकारें उनके लिए सुविधाजनक व्यवस्था नहीं कर पाती है। उनको टिकट लेकर यात्रा करनी है। वे पैसे चुकाने को तैयार हैं और दूसरी ओर सरकारें भी सुविधा देने के वादे कर रही हैं फिर भी लोग जानवरों की तरह ट्रेनों, बसों में लद कर जाते हैं! जाहिर है कि सरकार के दावे, तैयारियों और वास्तविकता में मिसमैच है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पिछले 10 दिन में कम से कम दो बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे। लेकिन क्या सुविधा मुहैया कराई गई? स्टेशन पर आधुनिक होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, जहां लोगों को रोक कर रखा जाता है। इसका मकसद यह है कि जैसे कुछ समय पहले स्टेशन पर भगदड़ हुई थी वैसी भगदड़ न हो।

सरकार को सिर्फ भगदड़ की चिंता है क्योंकि उससे इमेज खराब होती है। बाकी लोग भेड़, बकरियों की तरह लद कर जा रहे हैं, स्टेशनों पर रात बिता रहे हैं, स्टेशनों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! अगर सचमुच 12 हजार ट्रेनें चला दी जाएं और एक करोड़ लोग भी दिवाली, छठ के लिए यात्रा करने वाले हों तब भी बड़े आराम से इसे मैनेज किया जा सकता है। हर दिन दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाली भारतीय रेल के जरिए सरकार 10 दिन से ज्यादा की अवधि में करीब एक करोड़ लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा पाती है!

दूसरा दीर्घकालिक सवाल यह है बिहार में सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं कर पाती है? इसमें कोई संदेह नहीं है कि 1990 से 2005 के बीच जिन कारणों से पलायन हुआ वो कारण अब मौजूद नहीं हैं। अब लोग भय से पलायन नहीं कर रहे हैं। क्लासिकल परिभाषा के हिसाब से देखें तो अब पलायन नहीं प्रवासन हो रहा है। प्रवासन सदियों से हो रहा है और दुनिया के हर हिस्से में होता है। इसका मतलब होता बेहतर अवसर की तलाश में दूसरी जगह जाना। लेकिन बिहार में लोग बेहतर अवसर की तलाश में नहीं जाते हैं, बल्कि किसी तरह के अवसर की तलाश में जाते हैं। बिहार में 20 साल से एक ही नेता नीतीश कुमार की सरकार है लेकिन वे रोजी, रोजगार के ऐसे अवसर नहीं पैदा कर सके कि लोगों को साधारण सी नौकरी या साधारण से रोजगार के लिए बिहार छोड़ कर न जाना पड़े। लोग 10 हजार, 12 हजार की नौकरी के लिए बिहार छोड़ कर जाते हैं। तभी बिहार के हर चुनाव में पलायन का मुद्दा बनता है लेकिन हर बार पार्टियां जो समाधान सुझाती हैं वह तात्कालिक चुनावी लाभ हासिल करने वाली ही होती हैं।

इस बार बिहार चुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने वादा किया कि सरकार बनी तो पलायन रोक देंगे और बिहार में ही लोगों को वैसी नौकरी देंगे, जैसी वे बाहर जाकर करते हैं। लेकिन यह कैसे करेंगे इसका रोडमैप उन्होंने कभी नहीं बताया। इसी तरह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक अविश्वसनीय वादा किया कि सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। सोचें, पौने तीन करोड़ परिवार के एक एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का मतलब पौने तीन करोड़ नौकरी देना है। बिहार में नौकरी करने योग्य उम्र वाले लोगों की संख्या छह से साढ़े छह करोड़ के आसपास है। क्या तेजस्वी इनमें से लगभग आधे लोगों को सरकारी नौकरी दे देंगे? हकीकत यह है कि बिहार में कुल सरकारी नौकरी अभी 23 लाख के करीब है और इसे बढ़ा कर ज्यादा से ज्यादा 30 लाख किया जा सकता है। लेकिन तेजस्वी इससे 10 गुना ज्यादा सरकारी नौकरी की बात कर रहे हैं। जाहिर है वे सरकारी नौकरी से जुड़ी लोगों की भावनाओं से खेल रहे हैं।

असल में इस सरकारी नौकरी की मृग मरीचिका ने भी बिहार का बड़ा नुकसान किया है। लाखों की संख्या में नौजवान बरसों तक इसके पीछे भागते रहते हैं और अंत में हताश होकर बैठ जाते हैं। बिहार में अवसर की कमी के कारण किशोर उम्र से ही लोगों का पलायन शुरू हो जाता है। यह सरकारी आंकड़ा है कि देश भर के प्रवासियों में सबसे कम पढ़े लिखे प्रवासी बिहार के हैं। बिहार के जो प्रवासी देश के अलग अलग हिस्सों में जाकर काम करते हैं उनमें से लगभग 44 फीसदी ऐसे हैं, जिनकी शिक्षा सिर्फ प्राथमिक स्कूल तक हुई है, इसका राष्ट्रीय औसत 34 फीसदी का है।

इसी तरह देश भर के प्रवासियों में महज 7.8 फीसदी ऐसे होते हैं, जो निरक्षर होते हैं लेकिन उसमें भी बिहार का औसत 17 फीसदी से ज्यादा का है। इसका मतलब है कि दूसरे राज्यों में काम कर रहे करीब 61 फीसदी बिहारी ऐसे हैं, जो या तो निरक्षर हैं या प्राथमिक स्कूल तक पढ़ाई की है। जाहिर है कि अवसर की तलाश में निकले लोगों की शिक्षा दीक्षा इतनी है तो वे न्यूनतम आमदनी से ज्यादा कुछ नहीं कमा पाएंगे।

तभी अगर बिहार की पार्टियां या सरकार गंभीर हो तो एक करोड़ नौकरी या रोजगार देने या हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने या बिहार में ही 10 हजार रुपए की नौकरी देना का वादा करने की बजाय सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था कर दें तो इस अंधाधुंध प्रवासन की समस्या के समाधान की शुरुआत हो जाएगी। पहला कदम शिक्षा को बेहतर बनाने का होना चाहिए। अगर सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था हो जाए तो बिहार में भी रोजगार के अवसर बनेंगे और बाहर जाकर भी बिहार के लोग क्वालिटी रोजगार हासिल कर पाएंगे। लेकिन दुर्भाग्य से मुख्यधारा की पार्टियों के सारे नेता बिना शिक्षा व्यवस्था सुधारे ही रोजगार देने और पलायन रोकने के वादे कर रहे हैं!

प्रौद्योगिकी से समृद्ध भारत आज सिर्फ अनुयायी नहीं, बल्कि दूसरों को पीछे चलने के लिए कर रहा प्रेरित

डॉ. जितेंद्र सिंह

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक, देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है।

यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5त्र नेटवर्क की शुरुआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज़ इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुँचाया है।

भारत अब "सबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्था।देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

ईएसटीआईसी : उपलब्धि से आकांक्षा तक इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें।

यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है, जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है: भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना।

ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान, और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा, ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे।

प्रेरणा अरोड़ा ने जगाई महादेव की गर्जना

बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा का गीत शिव स्तोत्रम् रिलीज़ हो चुका है, और यह अध्यात्म और सिनेमा का ऐसा अद्भुत संगम है, जिसे देखकर और सुनकर मन श्रद्धा से भर उठता है। इस भक्ति गान के पीछे निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की गहरी व्यक्तिगत आस्था और समर्पण झलकता है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत यह गीत दृश्य और श्रव्य चमत्कार से प्रेरित भक्ति की सच्ची भावना से ओतप्रोत भगवान शिव को समर्पित एक दिव्य अनुभव है। राजीव राज द्वारा संगीतबद्ध और गाया गया यह स्तोत्रम्, अपनी भव्यता में श्रद्धा का सार पकड़ता है। प्रेरणा अरोड़ा की सोच से जन्मे इस गीत में उन्होंने संगीत टीम के साथ मिलकर भगवान शिव की शक्ति, सौंदर्य और करुणा का सार बुना है। हर दृश्य में एक दिव्य ऊर्जा प्रवाहित होती है, जो इस ट्रैक को एक भव्य भक्ति गान बना देती है। यह गीत न केवल सुनने में अलौकिक है, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला भी है। फिल्म के मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू अपने तीव्र और सशक्त अभिनय से गीत के दृश्यों में ऐसी प्राण-शक्ति भरते हैं कि हर क्षण श्रद्धा और जोश से सराबोर हो उठता है। सुधीर बाबू ने कहा, शिव स्तोत्रम् की शूटिंग मेरे लिए वास्तव में एक दिव्य अनुभव था। विशेष रूप से सेट पर बिताया गया हर पल ऐसा था, जैसे मैं स्वयं भगवान शिव की उपस्थिति में खड़ा हूं। जब मैंने पहली बार इस ट्रैक को सुना, तो उसकी ऊर्जा और आभा सिर्फ एक गीत तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक आध्यात्मिक जागरण जैसा था। सच कहूं तो एक अभिनेता के रूप में, ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो आत्मा को श्रद्धा के साथ गहराई से जोड़ दे।

बिग बास तेलुगु 9: रम्या मोक्षा ने घर से जल्दी बाहर होने के बारे में खुलकर बात की

बिग बास तेलुगु सीज़न 9 की प्रतियोगी रम्या मोक्ष कंचारला ने शो से अचानक बाहर होने के अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश किया था, लेकिन टाइफाइड और डेंगू जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें 10 दिनों के भीतर ही शो छोड़ना पड़ा। रम्या ने खुलासा किया कि उनकी स्वास्थ्य समस्याएँ टीवी पर दिखाए गए संघर्षों से भी बदतर थीं। उन्हें थायराइड की समस्या, टान्सिलाइटिस, त्वचा संक्रमण और तेज़ बुखार था, जिसका खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया था। स्थानीय पानी और अस्वास्थ्यकर भोजन ने उनकी स्थिति को और बिगाड़ दिया, जिसके कारण उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। रम्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी कहानी साझा करते हुए कहा कि लोगों ने उनके रूप-रंग को लेकर मीम्स बनाए,

रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग से हुए बाहर

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन का इस संस्करण बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का सपना अधूरा रह गया है। अश्विन को घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। सिडनी थंडर ने पुष्टि की है कि चेन्नई में अभ्यास के दौरान उन्हें घुटने में चोट लगी, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई। रिकवरी में लगने वाले समय के कारण वेऑस्ट्रेलिया की इस प्रमुख टी-20 लीग में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

अश्विन ने 27 अगस्त को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास का ऐलान किया था। इसके साथ ही उनके विदेशी लीगों में खेलने का रास्ता खुला था। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नियमानुसार कोई भी अनुबंधित खिलाड़ी संन्यास लेने तक विदेशी लीग में हिस्सा नहीं ले सकता है। ऐसे में अश्विन आईपीएल से संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई के सभी नियमों से मुक्त हो गए थे और विदेशी लीगों में खेलने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र थे।चोटिल होने के बाद अश्विन ने कहा, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिकवरी पर है ताकि मैं और मजबूती के साथ वापसी कर सकूं। सिडनी थंडर की टीम और फैंस का मैं दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इतनी गर्मजोशी से अपनाया। पूरी टीम प्रबंधन ने मुझे पहली बातचीत से ही टीम का हिस्सा महसूस कराया। मैं टीम का हर मैच देखूंगा और हमारी महिला व पुरुष दोनों टीमों का हौसला बढ़ाऊंगा। पाकिस्तान के लेग स्पिनर और ऑलराउंडर शादाब खान बीबीएल में सिडनी थंडर की विदेशी खिलाड़ियों की सूची में सबसे बड़ा नाम है। उनके साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम बिलिंग्स को भी टीम में शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन और बिलिंग्स दोनों लगातार दूसरे संस्करण में टीम के लिए खेलते नजर आएंगे, जिससे सिडनी थंडर की टीम को अनुभव और मजबूती मिलेगी।

अश्विन ने 333 टी-20 मुकाबले खेले और इसकी 329 पारियों में 26.94 की औसत से 317 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उनकी इकॉनमी 7.11 की रही है। उन्होंने 4 बार 4 विकेट हॉल लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/8 का रहा। भारतीय टीम के लिए अश्विन ने 65 मुकाबले खेले हैं और इसकी 65 पारियों में 23.22 की औसत से 72 विकेट चटाए हैं। उन्होंने 2 बार 4 विकेट हॉल लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/8 का रहा था।

पर्पल ड्रेस में मोनालिसा ने दिखाईं दिलकश अदाएं, फैंस ने की तारीफ

भोजपुरी फिल्मों और टीवी इंडस्ट्री की एक्ट्रेस मोनालिसा का जादू सोशल मीडिया पर लगातार देखने को मिलता रहता है। एक्ट्रेस जो कुछ पोस्ट करती हैं, वो आते ही सोशल मीडिया पर छा जाता है। एक्ट्रेस के दीवाने उनके बोल्ड लुक्स का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने पर्पल लुक से फैंस के दिलों की धड़कन को कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन रोक दिया है। मोनालिसा ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है, जिसमें वो पर्पल ड्रेस में दिख रही हैं।

एक्ट्रेस ने स्किनी और शाइनी कपड़े वाली पर्पल ड्रेस पहनी है, जिसके साथ पोनी बनाकर एक्ट्रेस ने राउंड शेप के ईयररिंग पहने हैं।

अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए मोनालिसा ने मिनिमल मेकअप किया है। एक्ट्रेस का ओवरआल लुक इतना अट्रैक्टिव है कि कोई भी उसका दीवाना हो जाए। एक्ट्रेस ने पोज देने के मामले में भी बालीवुड डीवास को पीछे छोड़ दिया है। एक्ट्रेस कभी सोफे पर तो कभी दरवाजे पर सिजलिंग पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, पर्पल लव।

यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान के खिलाफ जड़ा शतक, रणजी ट्रॉफी में पूरे किए 1,000 रन

नईदिल्ली, मुंबई क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान क्रिकेट टीम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025 के मुकाबले में शानदार शतकीय पारी खेली। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का 17वां शतक रहा। उन्होंने इस पारी के दौरान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में अपने 1,000 रन भी पूरे कर लिए। इस मुकाबले की पहली पारी में यशस्वी के बल्ले से अर्धशतक निकला था। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

राजस्थान ने पहली पारी में 617/6 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई की पहली पारी 254 रन पर समाप्त हो गई। इसके बाद मुंबई ने अपनी दूसरी पारी में जोरदार शुरुआत की। यशस्वी पहली गेंद से ही आक्रमक लगे। उन्होंने तेजी से रन बनाए। पहले विकेट के लिए इस खिलाड़ी ने मुशीर खान (63) के साथ मिलकर 209 गेंदों में 149 रन की साझेदारी निभाई।

महिला विश्व कप 2025: टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान

नइदिल्ली,इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने महिला विश्व कप 2025 के लिए टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इस टीम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की 3 खिलाड़ी शामिल हैं। ये खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दीप्ति शर्मा हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को इस स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम की कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की 3 खिलाड़ियों को भी इस टीम में जगह मिली है। ऐसी है आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंटः स्मृति मंधाना, लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), जेमिमा रोड्रिगेज, मरिजान कप्प, एश्ले गार्डनर, दीप्ति शर्मा, एनेबेल सदरलैंड, नादिन डी क्लार्क, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), अलाना किंग, सोफी एक्लेस्टोन और नैट सिवर-ब्रंट (12वीं खिलाड़ी)। टीम ऑफ द टूर्नामेंट की कप्तान वोल्वार्ड्ट का प्रदर्शन महिला विश्व कप 2025 में शानदार रहा। उन्होंने 71.37 की उम्दा औसत के साथ 571 रन बनाए और एक ही संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। भारत की मंधाना ने भी पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी की और 54.25 की औसत से 434 रन बनाकर टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। उनके बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले। भारत की ओर से शामिल खिलाड़ियों में जेमिमा और दीप्ति का प्रदर्शन भी प्रभावशाली रहा। जेमिमा ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 127 रन की पारी खेली और पूरे टूर्नामेंट में 58.40 की औसत से 292 रन बनाए, जिसमें 1 शतक और 1 अर्धशतक शामिल रहा। वहीं, दीप्ति ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 215 रन बनाए और 22 विकेट भी अपने नाम किए।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्थापना की रजत जयंती पर निकाली साइकिल रैली

रुद्रप्रयाग। पर्यटन विभाग के सहयोग से उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के मौके पर साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साइकिल रैली एवं रिवर राफ्टिंग का आयोजन किया गया। जिसमें राफ्टिंग कर साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने एवं जिले की प्राकृतिक सुंदरता के प्रचार-प्रसार का संदेश दिया गया। मुख्यालय स्थित कोटेश्वर क्षेत्र में साइकिलिंग रैली का शुभारंभ जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने स्वयं साइकल चलाकर किया। रैली नवनिर्मित बदरीनाथ-केदारनाथ हाईवे सुरंग मार्ग से होते हुए जीएमवीएन तिलवाड़ा में संपंन हुई। रैली में जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह एवं देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। साइकिलिंग रैली के उपरांत कोटेश्वर मंदिर के समीप अलकनंदा तट से रिवर राफ्टिंग कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीओ आरएस रावत ने फ्लैग-ऑफ कर किया। जिसमें सीडीओ राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार सहित अन्य अधिकारी एवं युवा प्रतिभागियों के प्रतिभाग किया। जनपद में साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस प्रकार के आयोजन युवाओं को साहसिक गतिविधियों से जोड़ने के साथ-साथ जिले को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होंगे। इस आयोजन से साहसिक पर्यटन को नया प्रोत्साहन मिला है। उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अंतर्गत आने वाले दिनों में भी जिला प्रशासन द्वारा एकता, साहस एवं विकास की भावना को आगे बढ़ाने वाले अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रुद्रप्रयाग में सड़क के लिए ग्रामीणों का आमरण अनशन

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित लोक निर्माण कार्यालय परिसर में बांगर क्षेत्र के लोगों का सड़क निर्माण की मांग को लेकर आमरण अनशन दूसरे दिन भी जा रही है। इस दौरान उन्होंने सरकार, प्रशासन और लोनिवि से शीघ्र ग्रामीणों की मांग पर कार्यवाही करने की मांग की। कहा कि जब तक सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई आंदोलन जारी रहेगा। अनशन स्थल पर पहुंचे लोनिवि के सहायक अभियंता ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। जनपद के पूर्वी और पश्चिमी बांगर क्षेत्र में ग्रामीण बीते 35 सालों से बधाणीताल से भुनाल गांव भेडारू तक प्रस्तावित 9 किलोमीटर मोटर मार्ग निर्माण की मांग कर रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने बीते दिन से आमरण अनशन भी शुरू कर दिया है। आमरण अनशन पर बैठे संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिव लाल आर्य, केदार सिंह रावत एवं गैणू लाल ने कहा कि जब तक सड़क निर्माण के लिए ठोस कार्यवाही नहीं की गई आंदोलन जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि रुद्रप्रयाग विधानसभा की बांगर पट्टी के ग्रामीण महज 9 किमी सड़क के लिए 35 सालों से संघर्ष कर रहे हैं। राज्य निर्माण के एक दशक पहले से ग्रामीण सड़क को लेकर समय समय पर आंदोलन कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य कि साढ़े तीन दशक बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों की मांग पूरी नहीं हुई है। क्षेत्र में आज भी प्रसूति महिला और बीमार ग्रामीणों को सड़क के अभाव में पालकी से ढोना पड़ता है। वर्तमान में इन दोनों क्षेत्रों के बीच यात्रा के लिए ग्रामीणों को मयाली-पांजणा-बसुकेदार-छेनागाड़ या मयाली-तिलवाड़ा-अगस्त्यमुनि-गुप्तकाशी-छेनागाड़ जैसे लम्बी दूरी वाले मार्ग से गुजरना पड़ रहा है इससे ग्रामीणों को करीब 84 किलोमीटर का लंबा फेरा काटना पड़ रहा है। कहा कि प्रस्तावित मोटर मार्ग बनने पर यह दूरी महज 9 किलोमीटर रह जाएगी, जिससे पश्चिमी बांगर की 16 ग्राम पंचायतें व पूर्वी बांगर की 6 ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी।

प्राथमिक विद्यालयों में भवन पुनर्निर्माण के नाम पर मिलेगा सिर्फ एक कक्ष

रुद्रप्रयाग। जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में जहां छात्र संख्या 10 से कम है वहां भवन पुनर्निर्माण के प्रस्ताव पर महज एक कक्ष बनाने की ही अनुमति दी जाएगी। पूरे भवन के लिए स्वीकृति नहीं दी जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक ने इस बाबत विभागीय आदेश भी जारी कर दिया है। अब भवन पुनर्निर्माण के नाम पर धन जारी नहीं किया जाएगा। जनपद में प्राथमिक शिक्षा में कई विद्यालय ऐसे हैं जहां छात्र संख्या निरंतर घटती जा रही है। ऐसे में इन विद्यालयों से शिक्षा विभाग को भवन पुनर्निर्माण के नाम पर भेजे गए प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी जाएगी बल्कि एक कक्ष बनाने की स्वीकृति दी जाएगी। इसी कक्ष में प्रधानाचार्य के साथ ही कक्षा का संचालन किया जाएगा।

खोखला पड़ा हाईवे, चेतावनी बोर्ड भी गायब

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य खोखला पड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग

कोटद्वार से गुमखाल के मध्य बदहाल स्थिति में पड़ा है राष्ट्रीय राजमार्ग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार, कुछ माह पूर्व नैनीडांडा विकासखंड से रामनगर की ओर जा रही एक बस अल्मोड़ा जिले के अंतर्गत कूपी बैंड के समीप खाई में जा गिरी। इस हादसे में 35 लोगों की जान चली गई थी। हादसे के बाद सरकार ने प्रशासन को राष्ट्रीय रजमार्ग की स्थिति में सुधार के सख्त निर्देश दिए थे। लेकिन, इस हादसे के एक वर्ष बाद यदि शासन स्तर से हुए दावों पर नजर डालें तो कई जगह शासन के यह दावे खोखले नजर आते हैं। कोटद्वार से गुमखाल को जाने वाले राष्ट्रीय रजामार्ग की स्थिति सबसे बुरी बनी हुई है। वर्षाकाल के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह से खोखला हो चुका है। साथ ही चेतावनी बोर्ड नहीं होने के कारण आगे आने वाली स्थिति के बारे में पता नहीं चल पाता।

पहाड़ को मैदान से जोड़ने वाले नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 534 पर कोटद्वार से गुमखाल के मध्य 25 किलोमीटर के सफर पर चलते हैं। कोटद्वार से वाहन आगे बढ़ता है तो मुख्य बाजार से करीब ढाई किलोमीटर दूर तिलवाढांग स्रोत पर बनी दो पुलियाओं में से एक पुलिया टूटी नजर आती है। हालांकि, यहां पर विभाग ने टूटी पुलिया पर आवाजाही रोकने को मिट्टी का ढर अवश्य लगाया है। इस स्थान से करीब सौ मीटर आगे ही पहाड़ी से बोल्डर गिरने का भय बना रहता है। लेकिन, यहां कोई चेतावनी बोर्ड नजर नहीं आता।

बताना जरूरी है कि बीते अगस्त माह में इस स्थान पर एक बोल्डर यात्रियों के भरी मैक्स के ऊपर जा गिरा। दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हुई, जबकि सात अन्य घायल हुए। सिर्फ यही स्थान नहीं, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य एक दर्जन से अधिक ऐसे स्थान हैं, जहां पहाड़ी से बोल्डर गिरने का भय तो रहता है। लेकिन, यहां चेतावनी बोर्ड नजर नहीं आते। हैरानी की बात तो यह है कि इस पंद्रह किलोमीटर के सफर के दौरान कहीं भी सड़क किनारे क्रैश बैरियर नहीं लगाए गए हैं। जबकि सड़क का करीब दस किलोमीटर हिस्से में खोह नदी सड़क किनारे बहती नजर आती है। इस हिस्से में कई दुर्घटना संभावित क्षेत्र भी हैं। लेकिन, यहां पैराफिट नहीं हैं। दुगड्डा से गुमखाल के मध्य सड़क में खतरे भले ही हों। लेकिन, इस हिस्से में सड़क किनारे क्रैश बैरियर होने से दुर्घटनाओं की संभावनाएं कम रहती हैं।

अब तक हुए हादसे

1. अक्टूबर 2024 में दुगड्डा-गुमखाल के मध्य एक पिकअप वाहन खाई में गिर गया था, जिसमें एक ठेकेदार की मौत हो गई थी
2. जून 2024 में कोटद्वार से करीब सात किलोमीटर आगे एक मैक्स वाहन के ऊपर बोल्डर भारी बोल्डर आ गया था। दुर्घटना में एक सवारी की मौत हो गई थी और चार घायल हो गए थे।
3. जून 2024 में ही आमसौड़ के समीप सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिर गया था। जिसमें डंपर में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।
4. बीते वर्ष लालपुल के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खोह नदी में गिर गई थी, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई थी।
5. दुगड्डा के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी, जिसमें नगीना तहसील में तैनात लेखपाल सहित दो युवकों की मौत हो गई थी।
6. इसी वर्ष अगस्त माह में तिलवाढांग चैक पोस्ट से करीब दो सौ मीटर पहले एक मैक्स वाहन पर बोल्डर आ गिरा। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई व सात अन्य घायल हो गए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से योजनाओं की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः प्रखंड जहयरीखाल में पहाड़ी सांस्कृतिक संगम समिति की ओर से विभिन्न गांव में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति की तरफ से ग्रामीणों को प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर जागरूक किया। समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार व दीपक सागर के नेतृत्व में सांस्कृतिक टीम प्रखंड जयहरीखाल के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नुक्कड नाटकों की प्रस्तुति दे रहे है, जिसमें प्रदेश सरकार की कठोर निकल विरोधी कानून, लखपति दीदी योजना, रिवर्स पलायन, महिलाओं को सरकारी नौकरियों में तीस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की सुविधा, समान नागरिक संहिता, अटल आयुष्मान योजना सहित विभिन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे है। दीपक देव सागर ने कहा कि उनकी सांस्कृतिक टीम ने दुडाली, सरीमाली, तिलसिया, कोटी, ओडल, मंजिम, जंडा लगा सारी, कंडा लगा सारी सहित दर्जनों गांवों में नुक्कड नाटकों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। इस मौके पर शंकुतला बुडाकोटी, संगीता गढ़वाली, पूजा असवाल, स्वाति नेगी, आरती पंवार, सतेंद्र चौहान, विनोद कुमार, अनिल चौहान मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर नहीं हटाया तो तेज होगा आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों का धरना 45 वें दिन भी जारी रहा। लोगों ने जल्द से जल्द घरों में लगाए गए स्मार्ट मीटर नही हटाए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाशत नहीं की जाएगी।इस दौरान लोगों ने प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। बताया कि लोगों के विरोध के बाद भी क्षेत्र के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। बताया कि उत्तराखंड पावर कारपोरेशन विद्युत उपखंड की ओर से लगाए गए पुराने मीटर की वैद्यता अभी बीस वर्ष की थी। लेकिन, उससे पहले ही उन्हें हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जबकि, पुराने मीटर में किसी भी तरह की समस्या नही थी। बताया कि ऊर्जा निगम जबरन घरों में पहुंचकर स्मार्ट मीटर लगा रहा है। पूर्व में जहां लोगों का बिजली का बिल नौ सौ से दो हजार रूपये तक आता था। स्मार्ट मीटर लगने के बाद यह बिल दस से 15 हजार रूपये पहुंच गया है। कहा कि क्षेत्रीय जनता पिछले कई दिनों से स्मार्ट मीटर के विरोध में धरने पर डटी हुई है। लेकिन, अब तक उनकी कोई सुध नही ली गई। यदि जल्द से जल्द स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर नही लगाए गए तो लोग आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर पार्षद रीता देवी, महेश नेगी, परामनंद, जीतू, मदन सिंह, स्वाती आदि मौजूद रहे।

जीवित प्रमाण पत्र बनाने का अभियान हुआ शुरु

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पेंशनरों के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जीवित प्रमाण पत्रों को बनाने के लिए अभियान पोस्ट आफिसों से लेकर बैंकों में शुरू हो गया है। पौड़ी मुख्यालय में बैंकों और पोस्ट आफिसों में पेंशनर अपने प्रमाण पत्रों को बनाने के लिए इन दिनों आ रहे हैं। पेंशनरों को जीवित प्रमाण पत्र हर साल देना पड़ता है और इसके लिए उन्हें संबंधित बैंकों से लेकर पोस्ट आफिस या फिर उन कोषागारों में जाना पड़ता है, जहां से वे पेंशन लेते हैं। उनकी इस दौड़ को बचाने और सहुलियत देने के लिए अब पेंशनरों ये प्रमाण पत्र डिजिटल प्लेटफार्म पर बनने शुरू किए गए हैं। केंद्र सरकार इसे अभियान के तौर पर चला रही है। अकेले एसबीआई के पास ही पौड़ी जिले में करीब 12 हजार से अधिक पेंशनर खातेधारक हैं। इसी तरह से अन्य बैंकों के पास पेंशनरों के खाते है। 30 नवंबर तक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र(डीएलसी) बनाने के लिए अभियान केंद्र सरकार के पेंशन विभाग के द्वारा चलाया जा रहा है। एसबीआई पौड़ी के मुख्य प्रबंधक एएस कंडारी के मुताबिक हर दिन करीब 60 से लेकर 100 तक डिजिटल प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। जीवन प्रमाण एप्प के जरिए अब पेंशनर घर पर ही स्पार्ट फोन के जरिए अपने प्रमाण पत्रों को अपलोड कर सकते हैं। इसी तरह से पौड़ी पोस्ट आफिस में भी करीब 452 खातेधारक है। अभी तक पोस्ट आफिस में 30 डीएलसी बने हैं। पोस्ट आफिसों ने भी डीएलसी बनाने की सुविधा अपने ग्रामीण डाकघरों में भी दी हैं। डाक अधीक्षक पौड़ी प्रदीप शर्मा के मुताबिक इस प्लेटफार्म से पेंशनर सिनीयर सिटीजन को काफी सहूलियत मिलेगी। वह घर बैठे भी अपने प्रमाण पत्र को आसानी से बना सकेंगे। इस एप्प में फेस रीडिंग और फींगर प्रिंट के दोनों ही तरीकों को इस्तेमाल किया जा सकता है।

घनसाली में लचर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर फूटा जनता का गुस्सा

नई टिहरी। घनसाली क्षेत्र में लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जनता का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक मंच एवं चमियाला व्यापार मंडल के आह्वान पर मंगलवार को सभी सामाजिक, व्यावसायिक और जनसंगठनों ने मिलकर चमियाला से बेलेश्वर तक जनाक्रोश रैली निकाली। लोगों पर मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला फूंका। मंगलवार को घनसाली के चमियाला-बेलेश्वर में आयोजित जनाक्रोश रैली में बड़ी संख्या में व्यापारियों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने रास्तेभर सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। लोगों का कहना था कि, क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति बेहद दयनीय है। डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव और अस्पतालों में अव्यवस्था से आम जनता परेशान है। रैली के समापन पर बेलेश्वर अस्पताल के बाहर आक्रोशित लोगों ने विधायक शक्ति लाल शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खिलाफ रोष जताया। सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक मंच और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य अधिकार की लड़ाई आगे भी जारी रखने की बात कही। आंदोलनकारियों ने शीघ्र ही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार न होने पर आंदोलन को और उग्र किए जाने की चेतावनी दी है।

जाम ने बढ़ाई मुश्किल, दावे हो रहे हवाई

कोटद्वार के सिताबपुर-मानपुर रोड पर लगा वाहनों का जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था के दावे हवाई हो रहे हैं। हालत यह है कि अतिक्रमण व बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण घंटों जाम की स्थिति बन रही है। मंगलवार को मानपुर-सिताबपुर मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को उठानी पड़ी। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मार्गों पर भी यही स्थिति बनी हुई थी।

गढ़वाल प्रवेश द्वार कोटद्वार में पार्किंग नहीं होने के कारण व्यवस्थाएं जाम हो रही हैं। वर्तमान में शादी सीजन में बड़ी संख्या में जहां लोग पहाड़ व मैदान के लिए आवागमन कर रहे हैं। वहीं, कई लोग बाजार में खरीददारी करने के लिए भी पहुंच रहे हैं। ऐसे में लोग सड़क पर ही बेतरतीब तरीके से वाहनों को खड़ा कर बाजार खरीदारी करने के लिए जा रहे हैं। जिसके कारण सड़क पर जाम स्थिति बन रही है। अव्यवस्थाओं के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड में बनी हुई है। जहां बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों के बाहर सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के साथ ही इधर-उधर घूमती रेहड़ी-ठेली जाम का मुख्य कारण बन रही है। यही स्थिति नजीबाबाद रोड, झंडाचौक, स्टेशन रोड, मानपुर रोड में भी बनी हुई है। जाम खुलवाने के लिए पुलिस को पसीना बहाना पड़ रहा है।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् जिला न्यायधीश महोदय, पौड़ी गढ़वाल
गार्जियन एण्ड वार्डस वाद संख्या 124 2025
पृथ्वी सिंह
बनाम
चन्द्रमोहन आदि
समन बनाम
आम जनता

चूंकि श्री पृथ्वी सिंह गुंत्र स्व० धीरज सिंह हाल निवासी बलभद्रपुर, आई०एच०एम० के पीछे कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल ने अपने को नाबालिग आलोक पुत्र स्व० अनुसुईया प्रसाद निवासी बलभद्रपुर आई०एच०एम० के पीछे कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल का गार्जियन नियुक्त किये जाने हेतु धारा 10 इण्डियन गार्जियन एण्ड वाईस एक्ट के अन्तर्गत मेरे न्यायालय में वाद दायर किया है।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि दिनांक 1.11.25 को बावक्त 10 बजे दिन मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन उपस्थित होकर जवाबदेही वाद पत्र करें।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत को आज दिनांक को जारी किया गया।

न्यायालय जिला न्यायधीश महोदय
पौड़ी गढ़वाल।

जीविकास व शीतल ने फाइनल में बनाई जगह

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः देवरामपुर स्थित डैफोडिल पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स मीट 2.ड के चौथे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान अंडर-14 बालिका वर्ग बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीविका व शीतल ने फाइनल में अपनी जगह बनाई।

चौथे दिन पहला मुकाबला नवयुग पब्लिक स्कूल की छात्रा जीविका रावत व अनुकृति कैंथोला के मध्य खेला गया, जिसमें जीविका विजयी रही। दूसरे मैच में डैफोडिल पब्लिक स्कूल की शीतल रावत ने नवमी को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। बालिका वर्ग अंडर-19 में डैफोडिल पब्लिक स्कूल की छात्रा शिवांशी ने ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल की सलोनी को हरा कर फाइनल में जगह बनाई। बालक वर्ग अंडर-14 में नवयुग पब्लिक स्कूल के युग पटवाल ने होलीफेथ पब्लिक स्कूल के शौर्य केष्टवाल को हराया। दूसरे मैच में आयुष रावत ने अनिकेत को हराया। अंडर-19 बालक वर्ग के बैडमिंटन में पार्थ डीएवी पब्लिक स्कूल ने भारती पब्लिक स्कूल के आयुष कोटनाला को हराया।

साहित्यकारों को किया गया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत जनपद के 50 राजकीय इंटर कॉलेजों के पुस्तकालयों के लिए हिन्दी साहित्य की पुस्तकों के वितरण के अवसर पर अटल आदर्श राजकीय इण्टर कॉलेज पौड़ी में पुस्तक वितरण एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि 24 घंटे में 20 मिनट प्रतिदिन पढ़ने की यह मुहिम विद्यार्थियों में ज्ञानार्जन की आदत को बढ़ावा देगी और उनका बौद्धिक और नैतिक विकास सुनिश्चित करेगी। बताया कि इस पहल से बच्चों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ेगी और डिजिटल माध्यमों पर निर्भरता में भी कमी आएगी। कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल पुस्तक वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों में पठन संस्कृति को संरक्षित करना है। डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से करना चाहिए जिससे बच्चे डिजिटल व्यसन से बचकर तकनीक को सीखने के साधन के रूप में प्रयोग कर सकें। मुख्य शिक्षाधिकारी नागेंद्र बर्तवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को पुस्तकों का महत्व समझना होगा। किताबें ज्ञान का सबसे प्रामाणिक और स्थायी स्त्रोत हैं। नियमित पठन से न केवल ज्ञानवृद्धि होती है बल्कि चिंतन, विश्लेषण और अभिव्यक्ति की क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पुस्तकालय केवल कमरा नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर हैं, जिनमें बैठकर विद्यार्थी जीवन के हर प्रश्न का उत्तर खोज सकते हैं। साहित्यकार वीरेंद्र खंकरियाल ने कहा कि पुस्तकें केवल शब्द नहीं, बल्कि विचारों की जीवंत ऊर्जा हैं जो पीढ़ियों को दिशा देती हैं। इस दौरान 50 स्कूलों को पुस्तकें वितरित की गई।

थराली में बच्चों को दी गई कानून और जीवन मूल्यों की जानकारी

चमोली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मंगलवार को थराली स्थित पर्वतीय स्कॉलर्स अकादमी में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों को कानून, अधिकारों और स्वस्थ जीवन के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) पुनीत कुमार ने बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा स्वस्थ जीवन शैली पर विस्तृत जानकारी दी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अपने पति सुशील कुमार पुत्र स्वर्गीय प्रेमलाल कुकरेती से दिनांक 14.05.2025 को विवाह विच्छेद हो गया है। भविष्य में मुझे अब पुष्पा कुकरेती पत्नी सुशील कुमार के स्थान पर पुष्पा पसबोल पुत्री चंद्रमोहन पसबोला पढ़ा एवं समझा जाना न्यायहित में है।

पुष्पा पसबोला
पुत्री श्री चंद्रमोहन पसबोला
निवासी ग्राम लूथापुर पोस्ट कलालघाटी
तहसील कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल
उत्तराखंड।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम अनमन नेगी गलत अंकित हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम उत्सव नेगी है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का सही व वास्तविक नाम उत्सव नेगी दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाए।

उत्सव नेगी
पुत्र अशोक नेगी निवासी
वार्ड नं. 18 झगड़सिंह कॉलोनी शिवपुर
कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

बच्चों को संस्कारवान बनाने पर दिया जोर

भारत विकास परिषद की ओर से कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार सनातन संस्कृति के विभिन्न पक्षों व विज्ञान पर भारत विकास परिषद की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान गोष्ठी में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें संस्कारवान बनाने पर जोर दिया गया।

बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि युवाओं को अपना लक्ष्य तय कर उसकी प्राप्ति के लिए मेहनत करनी चाहिए। मुख्य वक्ता जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद ने कहा कि आजकल परिवारों में सामंजस्य की कमी होती जा रही है, जिससे कई परिवार टूटने की कगार पर पहुंच गए हैं। कहा कि हमें परिवारों को टूटने से बचाने पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए हमें अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देने चाहिए। कहा कि आजकल बच्चे केवल किताबी पढ़ाई पर निर्भर हैं। ऐसे में उनके बौद्धिक विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार समिति के सदस्य मनु गौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल, संयोजक मीनाक्षी शर्मा, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, तोताराम पांथरी, अनूप बड़थ्वाल, श्रीकृष्ण सिंघानिया, डीपी अग्रवाल, राजदीप माहेश्वरी , विष्णु अग्रवाल ,सेवक राम मानुजा, सुभाष नैथानी ,मनोज नैथानी,राधेश्याम शर्मा, गोपाल कुकरेती, शीला कुकरेती , गोपाल बंसल, विवेक अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल पूनम नैथानी, मंजू बड़थ्वाल,रीता जखमोला आदि मौजूद रहे।

तल्लानागपुर महोत्सव में सर स्याली रामदेई गीत पर थिरके दर्शक

रुद्रप्रयाग। जनपद के चांदधार चोपता में तल्लानागपुर औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव के चौथे दिन लोक गायक रोहित चौहान एवं टीम ने शानदार प्रस्तुतियां पेश की। देर सांय तक दर्शक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेते रहे। मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप रावत ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मेले मिलन के पर्व है हमें इसने संरक्षण और संवर्धन के प्रयास करने चाहिए। रावत ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इससे पहले मेला कमेटी ने उनका शॉल, स्मृति चिन्ह और बैच लगाकर स्वागत किया।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	1-13-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के फ्लैश और टूटे हुए इंसुलेटर (एसटी, बीटी, आदि) का बदलना।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक व समय	25.11.2025, 15:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 24,87,614.01/- (Including GST @ 18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 49,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	03 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in, Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-11 दिनांक: 04.11.2025 3420/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
इच्छा की अभिव्यक्ति

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुरादाबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबंद खुले आवेदन आमंत्रित है:-

1	ई.ओ.आई. सं.	No. 139-Med/Recogn/EOI/2025 dated 04-11-2025
2	कार्य का नाम: मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद इच्छा की अभिव्यक्ति के आधार रेलवे लाभार्थियों के [illegible] हेतु उत्तर रेलवे मुरादाबाद के अंतर्गत आने वाली स्वास्थ्य इकाई क्षेत्र [illegible] के इच्छुक प्राईवेट अस्पताल को दो वर्ष की अवधि के लिए सी.जी.एच.एस. दरों पर अथवा उनकी हास्पीटल टैरिफ दरों पर इंपैनलमेंट करने के लिए आवेदन आमंत्रित करते हैं।	
3	परफार्मेंस बैंक गारंटी, निम्नोक्त: रु. 10,00,000 (रु. दस लाख केवल) मल्टीस्पेशियलिटी हास्पीटल हेतु, रु. 5,00,000 (रु. पांच लाख केवल) – [illegible] हास्पीटल हेतु, रु. 200000 (रु. दो लाख केवल) सिंगल स्पेशियलिटी हास्पीटल हेतु (उपरोक्त राशि एग्रीमेंट के समय परफार्मेंस बैंक गारंटी के रूप में वांछित है)	
4	इंपैनलमेंट अवधि	दो वर्ष
5	आवेदन प्रस्तुत करने एवं खुलने की अंतिम तिथि: दिनांक 04.11.2025 को 17:00 बजे से दिनांक 20.11.2025 को 17:00 बजे तक एवं खुलने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 21.11.2025 को 11:00 बजे। अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय पर।	
6	कार्यालय का पता एवं तिथि जहां प्रपत्र उपलब्ध कराने के होंगे: कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उ०रे०, मंडल रेलवे चिकित्सालय मुरादाबाद में दि० 04.11.2025 से 21.11.2025 समय 15 बजे तक।	
7	वेबसाइट अतिरिक्त सूचना उ०रे० की वेबसाइट www.nr.indianrailway.gov.in पर देखी जा सकती है।	
8	आवेदन प्रपत्र का मूल्य नकद / डाक द्वारा	कुछ नहीं।

3421/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बैकुंठ चतुर्दशी मेले में महिलाओं की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः गगवाड़स्यूं घाटी स्थित सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर, बलोड़ी में बैकुंठ चतुर्दशी मेले के चौथे दिन क्षेत्र की महिला मंगल दलों ने लोकगीतों, लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दी। मेले में हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। इस दौरान पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया। मेले में 5 बच्चों का नामकरण संस्कार भी किया गया। मंगलवार को मेले में महिला मंगल दल बौसरी, बलोड़ी, बुडोली, उज्याड़ी और चमलियाखाल ने लोकगीतों व लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरी।

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में गढ़वाली हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने अपने चुटकुलों से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। मेले में 15 पूर्व सैनिकों को भी मंदिर समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इससे पूर्व मेले का उदघाटन मुख्य अतिथि सीडीओ गिरीश गुणवंत ने किया।

उन्होंने मंदिर समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इस तरह के आयोजनों को निरंतर जारी रखने पर जोर दिया। कहा कि जिला प्रशासन मंदिर समिति को हरसंभव मदद करेगी। अतिविशिष्ठ अतिथि बीडीओ पौड़ी सौरभ हांडा ने कहा कि यह मंदिर न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि लोकपरंपरा, लोककला और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष केशर सिंह कठैत, सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल, संचालक नागेंद्र जुगराण, शभुन बड़थ्वाल, मनोज बड़थ्वाल, सतीश रावत, शंकर रावत आदि शामिल रहे। चार बच्चों का हुआ नामकरण संस्कार पौड़ी। सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर बलोड़ी में मंगलवार को चार बच्चों का नामकरण संस्कार किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी सुधीर चंद्र बड़थ्वाल ने बताया कि यह सभी बच्चें वैकुंठ चतुर्दशी पर खडा दीया अनुष्ठान करने वाले दंपत्तियों की संतान हैं। बताया कि जितनें भी धामों में खडा दीया अनुष्ठान होता है। लेकिन उन सबमें देवलेश्वर धाम ही एक ऐसा धाम है। जहां खडा दीया अनुष्ठान के करने वाले दंपत्ति को संतान सुख मिलने के बाद उनके बच्चों का नामकरण संस्कार किया जाता है।

कौशलल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः राज्य की रजत जंयती के उपलक्ष्य में जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी में राज्य स्तरीय डिज़ाइन स्किल्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें 10 टीमें पॉलिटेक्निक संस्थानों और 15 टीमें विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से थीं। प्रतिभागियों ने सतत विकास, सामाजिक उपयोगिता, नवाचार एवं तकनीकी गुणवत्ता के आधार पर उत्कृष्ट परियोजनाएं प्रस्तुत की। संस्थान में सतत भविष्य के लिए नवाचार, डिजाइन और निर्माण विषय पर डिजाइन कौशल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में बीआईएएस भीमताल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। तुला इंस्टीट्यूट देहरादून की टीम ने दूसरा और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान, टनकपुर की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) वीके बंगा ने किया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य के निर्माण हेतु संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर राज्य आंदोलनकारी वीरों को नमन करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। डिजाइन परियोजनाओं का मूल्यांकन प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें आईआईटी रुड़की से डॉ. बिभूति रंजन भट्टाचार्य, डॉ. सप्तर्षि कोले और एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. दिगर सिंह शामिल थे। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कोऑर्डिनेटर डॉ. संजय गैरोला, सह समन्वयक डॉ. कमलजीत सिंह भाटिया, डॉ. केकेएस मेर, डा. अशुतोष गुप्ता आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार्तिक स्वामी मंदिर में 151 दीपक जलाकर मनाई गई देव दीपावली

रुद्रप्रयाग। ऊँच पर्वत पर स्थित भगवान कार्तिक स्वामी मंदिर में बैकुंठ चर्तुदशी के मौके पर देव दीपावली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त पुण्य अर्जित कर रहे हैं। मंदिर को विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया है। मंदिर में देव दीपावली में करीब 151 दीप जलाकर चारों ओर से रोशन किया गया। इस दौरान कई निःसन्तान दम्पति रातभर हाथों में दीप जलाकर संतान प्राप्ति की कामना करेंगे। जबकि कीर्तन मंडलियों के कीर्तन भजनों की धूम रहेगी। हर साल की तरह इस बार भी बैकुंड चतुर्थदशी के अवसर पर कार्तिक स्वामी मंदिर में देव दीपावली का शुभारंभ ठीक सांय सात बजे से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। मंदिर में करीब 151 दीप जलाकर मंदिर को चारों ओर से रोशन किया गया। रुद्रप्रयाग व चमोली जिले की स्वांरी ग्वांस, फलासी, पिल्लू, मणिगुह समेत विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने मंदिर में पहुंचकर अपनी भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। ठीक नौ बजे प्रथम पहर की आरती से भगवान विष्णु की महिमा सहित तैतीस कोटि देवी-देवताओं का आह्वान किया जाएगा। दूसरे पहर की आरती में भगवान शंकर, तृसरे पहर की आरती में भगवती भवानी तथा चौथे पहर में भगवान कार्तिक स्वामी की महिमा का गुणगान किया जाएगा। निःसन्तान दम्पति भी रातभर हाथों में दीप जलाकर पुत्र प्राप्ति की कामना के लिए व्रत रखेंगे। बुधवार को कार्तिक मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर जलाभिषेक व आरती एवं हवन किया जाएगा। अंत में सभी भक्तों ने पूर्णाहुति के साथ देव दीपावली का समापन किया जाएगा। कार्तिकेय मंदिर समिति के अध्यक्ष विक्रम नेगी ने बताया कि देव दीपावली को लेकर मंदिर में भकतों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। मंदिर को लगभग 151 दीपकों से रोशन किया जाएगा।

महावीर चक्रविजेता शहीद दीवान सिंह दानू की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी

पिथौरागढ़। जिले के नाचनी के पुदरम गांव निवासी देश के पहले महावीर चक्र विजेता शहीद दीवान सिंह दानू की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी गई। स्थानीय लोगों के साथ ही पूर्व सैनिकों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी शहादत को याद किया। सोमवार को बिर्थी इंटर कॉलेज में शहीद की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व सैनिकों और ग्रामीणों ने यहां स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व सैनिकों ने कहा कि शहीद दीवान सिंह ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। तीन नवंबर 1947 को बडगाम हवाई अड्डे में पाकिस्तानी सैनिकों के साथ हुए युद्ध में वह बलिदान हो गए। वहां महेंद्र सिंह बृथवाल, बिशन सिंह दुबड़िया, इंद्र सिंह दुबड़िया, गोकर्ण सिंह बृथवाल, किशन बृथवाल, ग्राम प्रधान भूर्तिग कुंदन सिंह राठौर, प्रधान गिनी प्रमोद मेहरा, प्रधान गिरगांव चंद्र सिंह दुबड़िया आदि थे।

मरीजों को डोली से तीन किमी दूर सड़क तक लाने को ग्रामीण मजबूर

बागेश्वर। बागेश्वर जिले के कपकोट के बड़ेत ग्राम पंचायत के कफलानी तोक से तीन दिन में दो मरीजों को डोली से तीन किमी दूर सड़क तक लाना पड़ा। सड़क विहीन गांव में हर महीने ग्रामीणों को इस तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है। बावजूद इसके शासन-प्रशासन को लोगों का दर्द नहीं दिख रहा है। ग्रामीण बद्री गोस्वामी, दलीप सिंह, मोहन नाथ, दीवान सिंह, उम्मेद सिंह, दयाल सिंह, दिनेश नाथ,, चंदन, किशन, त्रिलोक आदि का कहना है कि रोजमर्रा के काम के साथ मरीजों और बुजुर्गों को डोली पर ढोने का अतिरिक्त कार्य भी गांव के युवाओं को करना पड़ता है। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग हो रही है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के पैदल रास्ते भी खराब हैं। डोली पर मरीजों को ले जाने में काफी दिक्कत होती है।

भाजपा नेता की गिरफ्तारी को सामाजिक संगठनों का प्रदर्शन

रुद्रपुर। रामनगर की छोई में अल्पसंख्यक वाहन चालक पर हुए हमले के मुख्य आरोपी भाजपा नेता की गिरफ्तारी को लेकर मंगलवार को सामाजिक संगठनों और ट्रेड यूनियनों के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने मॉब लिंचिंग और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं पर विरोध जताया। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में प्रदर्शनकारियों ने अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठनों ने बताया कि 23 अक्तूबर को हुए इस हमले में वाहन चालक नासिर गंभीर रूप से घायल हुआ था,

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का शिलान्यास

नैनीताल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) भी मौजूद रहे। ऐतिहासिक राजभवन नैनीताल की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मुख्य द्वार का शिलान्यास किया । राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का यह शिलान्यास इस धरोहर के संवर्धन और संरक्षण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

राजभवन नैनीताल, जो विगत 125 वर्षों से उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक, प्रशासनिक और ऐतिहासिक पहचान का प्रतीक रहा है, आज भी अपनी स्थापत्य कला, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत के लिए अद्वितीय स्थान रखता है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, अपर सचिव रीना जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने गुरु नानक जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु नानक जी की जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरुनानक देव जी ने हमें सच्चाई, न्याय और मानवता की राह पर चलने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी ने समाज की बुराईयों को दूर करने के लिए अपने उपदेशों एवं शिक्षा के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। गुरु नानक जी के उपदेश हमें समाज में भाईचारा, सद्भाव और आपसी एकता को बढावा देने की भी प्रेरणा देते हैं। उनकी शिक्षा आज भी प्रासंगिक है और समाज का मार्गदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर गुरुनानक देवजी के संदेशों को आत्मसात कर मानव कल्याण तथा देश-प्रदेश की उन्नति में भागीदारी निभाने का संकल्प लेने का भी आह्वान प्रदेशवासियों से किया है।

6वें राज्य वित्त आयोग की जिला पंचायत में आयोजित हुई बैठक

चमोली। 6वें राज्य वित्त आयोग द्वारा मंगलवार को चमोली जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जनपद के जन प्रतिनिधियों, विभागीय प्रतिनिधियों और राज्य वित्त आयोग के विशेषज्ञों से चर्चा की गई। बैठक आयोग के अध्यक्ष एन रविशंकर (सेनि मुख्य सचिव/आई.ए.एस.) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के शुभारंभ पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने आयोग के अध्यक्ष एन रविशंकर व सदस्य सदस्य पीएस जंगपांगी तथा डा एमसी जोशी का स्वागत किया। जिसके बाद जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी द्वारा जिला पंचायत के कार्य प्रणाली के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने जहां जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों और सामरिक महत्व को देखते हुए विकास कार्यों के लिए विशेष वित्तीय व्यवस्था पर जोर दिया। वहीं उन्होंने राज्य वित्त में जीएसटी की प्रतिपूर्ति करने का भी सुझाव दिया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख थराली प्रवीण पुरोहित ने विकास खंड में आई आपदा को देखते हुए क्षतिग्रस्त परिसम्पतियों के पुनर्निर्माण और विकास कार्यों के लिए वित्त में विशेष व्यवस्था करने की बात कही। ग्राम प्रधानों की ओर से जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए मनरेगा कार्यों में जीओ टैग की व्यवस्था में शिथिलता और आपदा के बाद क्षतिग्रस्त परिसंपतियों के पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय व्यवस्था शीघ्र करने का प्रावधान करने के सुझाव दिए।

महज बोटिंग से ही पर्यटकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता

नई टिहरी। श्री गंगा भागीरथी बोट यूनियन ने सरकार से टिहरी बांध की झील परिक्षेत्र में बोटिंग के अलावा लैंड और अन्य पर्यटन गतिविधियां संचालित करने की मांग की है। कहा कि महज बोटिंग से ही यहां पर्यटकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता है। इसके लिए उन्हें तमाम आधुनिक सुविधाएं भी देनी होंगी। उन्होंने कहा कि टिहरी झील विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाडा) ने सरकारी 4 बोट के टेंडर जारी कर स्थानीय लोगों के हक-हकूक पर प्रहार किया है, जिसका वह विरोध करते हैं। शनिवार को कोटी कालोनी में पत्रकार वार्ता करते यूनियन के अध्यक्ष वीरेंद्र नेगी, कार्यकारी अध्यक्ष लखवीर चौहान ने कहा कि टिहरी झील की कोटी कालोनी में कैरिंग कैपेसिटी पूरी हो गई है। वर्तमान में यहां 110 बोट, 3 पैरासेलिंग, एक क्रूज, 4 फ्लाइ बोर्ड सहित फ्लोटिंग हट्स चल रही हैं। अब टाडा ने सालों से खराब पड़ी अपनी 4 बोट की निविदा जारी कर यहां के युवाओं के स्वरोजगार को प्रभावित करने की योजना बनाई है। जिसे यूनियन बर्दाश्त नहीं करेगी। मामले में डीएम/सीईओ टाडा नितिका खंडेलवाल को आपत्ति बता दी है। कहा कि जरूरी है तो इन चारों बोट को कोटी, डोबरा, नंदगांव और सांदणा बोटिंग प्वाइंट पर रेस्क्यू बोट के लिए प्रयोग किया जाए। इसका संचालन भी टिहरी के युवाओं को मिले। अनुज उनियाल ने बताया कि डोबरा, नंदगांव और सादणा में कुल 23 बोट लाइसेंस दिए हैं, लेकिन वहां कोई सुविधाएं न होने से पर्यटक नहीं जा रहे हैं।

बीटीकेआईटी में पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने टिकाऊ विकास पर रखे विचार

अल्मोड़ा। बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान (बीटीकेआईटी) में सोमवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर एम्पावरिंग उत्तराखंड: ब्रिजिंग अकादमिया, इंडस्ट्री एंड गवर्नेंस विषय पर राज्य स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। पर्यावरणविद पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड को प्राकृतिक संपदा के दोहन की बजाय रिसाइक्लिंग और टिकाऊ विकल्पों की दिशा में आगे बढ़ना होगा। पर्यावरण मंत्रालय से जुड़े प्रो. उमेश कहालेकर ने भावी इंजीनियरों से कहा कि वे दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता दें, ताकि पर्वतीय राज्य पर्यावरणीय संतुलन बनाए रख सकें। यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने कहा कि एआई, मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। एमएनआईटी जयपुर के पूर्व निदेशक प्रो. उदय कुमार वाईआर ने युवाओं से नवाचार और स्टार्टअप की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने काशीपुर में राज्य स्तरीय शहरी विकास सम्मेलन का किया शुभारम्भ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड की रजत जयंती वर्ष समारोह की श्रृंखला में काशीपुर में मंगलवार को राज्य स्तरीय शहरी विकास सम्मेलन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने 46 करोड़ 24 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा दिव्यांग सशक्तिकरण कौशल विकास वाहन व नगर निगम काशीपुर के 14 कूड़ा एकत्रित करने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में, जब हमारे शहर अपने स्वरूप में ढल रहे थे, तब हमारे निकायों के सामने बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ आवश्यक संसाधनों का भी अभाव हुआ करता था। राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं ने भी विकास कार्यों की गति को अत्यधिक प्रभावित किया। परंतु इन 25 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा में हमारे राज्य ने अनेकों चुनौतियों का सामना करते हुए विकास, समृद्धि और सुशासन के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी राज्य की आत्मा उसके गाँवों में बसती है तो शहरों में हमारे नागरिकों के सपने और आकांक्षाएँ आकार लेते हैं। इसी सोच के साथ हमने शहरी विकास को अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है। आज हमारे नगर स्वच्छता, सड़क व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और जनकल्याण जैसे क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहे हैं।

सहकारिता से खुले आम लोगों की समृद्धि के द्वार

-11 लाख लाभार्थियों को बांटा 6957 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण

देहरादून। राज्य गठन के उपरांत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहकारित विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 25 वर्ष के कालखंड में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के किसानों, महिलाओं, काश्तकारों, कारीगरों और युवाओं को सशक्त बनाने और पलायन को रोकने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण व प्रभावशाली योजनाएं संचालित की गई। इसके साथ ही सहकारी संस्थाओं को अधिक संगठित, व्यापक और पारदर्शी बनाय गया। प्रदेश की शत-प्रतिशत पैक्स समितियों का कम्प्यूटरीकरण कर सहकारिता का लाभ आम लोगों को पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना व माधो सिंह भण्डारी सहकारी सामूहिक खेती योजना जैसी अभिनव योजनाओं ने सहकारिता को जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

सहकारिता में प्रशासनिक सुधारः राज्य गठन के समय सहकारिता विभाग में जहां 528 विभागीय पद स्वीकृत थे, वहीं अब इनकी संख्या 607 हो गई है। इसी प्रकार सहकारी समितियों की संख्या 1800 से बढ़ाकर 6346 की गई। जिला सहकारी बैंक शाखाएं 207 से 330 की गई। जबकि शीर्ष सहकारी संस्थाओं 03 से बढ़कर 14 हो गई है। इसी प्रकार वर्तमान में पैक्स समितियों की कुल संख्या 672 है। जहां पर आम लोगों को सभी सहकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा सहकारिता विभाग ने विधिक एवं प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ करने हेतु कई ऐतिहासिक कदन उठाये जिसके तहत सहकारी संस्थागत सेवामण्डल, सहकारी न्यायाधिकरण, सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण का गठन किया गया। पारदर्शी भर्ती व मानव संसाधन सशक्तिकरण : राज्य गठन के बाद विभाग में पारदर्शी भर्ती के माध्यम से योग्य कार्मिकों को नियुक्ति दी गई। सरकार ने पहली बार वर्ष 2018-19 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्था आईबीपीएस के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के माध्यम से जिला सहकारी बैंकों एवं शीर्ष सहकारी बैंकों में वर्ग-01, 02 व 03 के पदों पर 597 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई। जबिक 177 पदों पर वर्तमान में भर्ती प्रस्तावित है। इसके अलावा सीधी भर्ती, राज्य आंदोलनकारी व मृतक आश्रित कोटे के माध्यम से विभिन्न पदों पर 475 कार्मिकों की नियुक्ति की गई। ब्याज मुक्त ऋण से 11 लाख लोग लाभान्वित : सहकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत वर्ष 2017 से सितम्बर 2025 तक 1134434 लाभार्थियों एवं 6413 स्वयं सहायता समूहों को कुल 6957.88 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया जा चुका है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस योजना के तहत किसानों की आय दोगुना करने के उददेश्य से कृषि कार्यों हेतु 01 लाख, कृषियेत्तर कार्यों हेतु 03 लाख और स्वयं सहायता समूहों को 05 लाख तक की धनराशि का ब्याजरहित ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों की उपज खरीद में वृद्धि : उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रदेशभर में किसानों की उपज को खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों को खास लाभ हो रहा है। 239 ऋय-केन्द्र के माध्यम से स्थानीय कृषकों से 67171.92 कुन्तल मिलेट्स खरीदकर कुल 26.52 करोड़ का भुगतान किसानों को किया गया।

सोशल मीडिया ग्रुपों से विवाद की स्थिति पैदा करने वालों पर रखें नजर

जयन्त प्रतिनिधि। लखनऊः सनातन महापरिषद भारत ने सोशल मीडिया ग्रुपों से समाज में अराजकता व विवाद की स्थिति पैदा करने वालों पर नजर रखने की मांग की है। कहा कि इसके लिए सख्ती से कार्य किया जाना चाहिए। कई लोग लगातार विवाद की स्थिति पैदा करने का प्रयास करते हैं। महापरिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंद्र मोहन पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष एके सक्सेना, दीपक वर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल, गृह सचिव जगदीश व विशेष सचिव गृह अभय कुमार सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान आग्रह किया कि प्रदेश में संचालित सभी राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं, ट्रस्टों तथा सोशल मीडिया ग्रुपों के संचालन हेतु प्रशासनिक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। कहा कि इन संस्थाओं एवं समूहों से जुड़े व्यक्तियों के आचरण के सत्यापन, जवाबदेही एवं नियमावली निर्धारित की जानी चाहिए। जिससे किसी भी प्रकार के असामाजिक, विघटनकारी या देशविरोधी तत्वों की भागीदारी रोकी जा सके। चंद्रमोहन पांडेय ने कहा कि ऐसी संस्थाओं का उद्देश्य केवल सामाजिक सद्भाव, सौहार्द, भाईचारा एवं देशहित को बढ़ावा देना होता है। उन्होंने बताया कि सनातन महापरिषद भारत की ओर से संस्था के सभी सदस्यों का विवरण शीघ्र ही सरकार एवं संबंधित विभागों को उपलब्ध कराया जाएगा। संगठन पूरे देश में देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता के कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस प्रकार की व्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर लागू की जाए। जानकारी दी कि सनातन धर्म की शिक्षा के लिए चित्रांकित ह्लश्रीमद् भगवद् गीताह्व का विमोचन आगामी दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि गीता को स्कूल पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने पर विचार किया जाए, जिससे बच्चों में भारतीय संस्कृति एवं सनातनी मूल्यों के प्रति ज्ञान एवं श्रद्धा का भाव विकसित हो।

नई टिहरी में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर सीएमओ का घेराव

नई टिहरी। शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ब्लाकों में बदहाल चल रही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर सीएमओ कार्यालय में जमकर प्रदर्शन किया।

बाद में सीएमओ डॉ. श्याम विजय का घेराव करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग की। स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को लेकर सीएमओ को ज्ञापन भी सौंपा। मंगलवार को जनपद के अस्पतालों में बदहाल चल रही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कांग्रेसियों ने सीएमओ कार्यालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेसियों ने सीएमओ डॉ. श्याम विजय का घेराव भी किया। जहां पर सीएमओ के समक्ष बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कांग्रेसियों ने रोष जाहिर करते हुए कहा कि स्वास्थ्य में यदि जल्द सुधार न हुआ तो आंदोलन तेज किया जायेगा। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य मंत्री के बयानों पर भी नाराजगी जाहिर की। सीएमओ ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कांग्रेसियों के समक्ष रखते हुए बताया कि अन्य जनपदों की अपेक्षा टिहरी में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हैं। पूरे देश में विशेषज्ञ डाक्टरों का अभाव है, लेकिन विशेषज्ञों को लाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। कांग्रेसियों ने सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि जिला मुख्यालय पर गांवों से आने वाले ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधायें नहीं मिल पा रही हैं।

मेयर और नगर आयुक्त ने किया कल्याणी नदी और फुलसुंगी क्षेत्र स्थित घाटों का निरीक्षण

रुद्रपुर। पंजाबी समाज द्वारा मनाए जाने वाले पारंपरिक टुबड़ी पूजा और गंगा स्नान महापर्व की तैयारियों को लेकर नगर निगम ने गति तेज कर दी है। मेयर विकास शर्मा और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी ने मंगलवार को कल्याणी नदी और फुलसुंगी क्षेत्र स्थित घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को पूजा से पूर्व घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेयर शर्मा ने कहा कि टुबड़ी पूजा पंजाबी समुदाय की आस्था और पारिवारिक एकता का प्रतीक पर्व है। नगर निगम सभी समुदायों के धार्मिक आयोजनों का सम्मान करता है और किसी भी पर्व की तैयारियों में कमी नहीं आने देगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष टुबड़ी पूजा के लिए स्थायी घाटों का निर्माण कराया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इससे पूर्व, खत्री अरोड़ा फाउंडेशन और पंजाबी खत्री समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मेयर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

पुण्यतिथि पर राधाखंडी गायिका स्व. बचनदेई को किया याद

नई टिहरी। राधाखंडी गायन शैली की सुप्रसिद्ध गायिका व गढ़वाल यूनिवर्सिटी श्रीनगर की विजिटिंग प्रोफेसर रही स्व. बचन देई की 12वीं पुण्य तिथि पर घनसाली में उन्हें याद किया गया। विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने स्व. बचन देई के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। मंगलवार को राधाखंडी शैली की गायिका स्व. बचन देई की पुण्यतिथि पर घनसाली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर उनके छोटे भाई सोहन लाल परोपकारी ने उनके गाये गीतों को गाकर उनकी स्मृति ताजा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. नरेंद्र डंगवाल ने स्व. बचन देई को याद करते हुए कहा कि, राधाखंडी गायन शैली की वह एक महान गायिका थी, जिन्होंने देश-प्रदेश के कई मंचो पर जाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कहा कि, उनके संगीत व गायन के लोग इतने कायल थे, कि गढ़वाल यूनिवर्सिटी श्रीनगर ने उन्हें संगीत विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर आमंत्रित कर उनके अनुभवों का लाभ संगीत व कला के छात्रों ने उठाया। कार्यक्रम में सोहनलाल परोपकारी तथा स्व. बचनदेई के नाती आयुष ने स्व. बचन देई की स्वरचित लाल चुनड़ी तेरा सिर सोली, कालिका महामाई, शिव शंकर बोला कैलाश वासी तथा चैतवाली गीतों की प्रस्तुति देकर उनकी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम में उनके पुत्र डॉ. प्रकाश चंद्र ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर पर भी चिंतन-मनन करते हुए आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत कर आने के लिए आभार जताया। मौके सत्यप्रकाश, आनन्द नेगी, राजेन्द्र प्रसाद पेटवाल, आनन्द चौहान, रुकमणी देवी, गंगा देवी, नैन्सी देवी, विकास चंद्र, प्रभात, आयुष आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु आंदोलन कर रहे प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम धामी से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में चौखुटिया में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु आंदोलन कर रहे प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त किया कि चौखुटिया क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री जी ने तत्काल प्रभाव से अस्पताल के उन्नयन हेतु शासनादेश जारी कर दिया है। इसके अंतर्गत चौखुटिया अस्पताल की क्षमता 30 बेड से बढ़ाकर 50 बेड कर दी गई है, साथ ही विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं को चरणबद्ध रूप से सुदृढ़ करने का निर्णय लिया गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि जनहित की प्रत्येक मांग पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार संवेदनशील है और जन आकांक्षाओं के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विषय में वह स्वयं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक करेंगे तथा प्रगति की सीधे मॉनिटरिंग करेंगे। उन्होंने कहा कि चौखुटिया एवं आसपास के क्षेत्रवासियों की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत एक्स-रे मशीन के संचालन की जिम्मेदारी उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन परिषद को दी गई है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एम्स ऋषिकेश में उत्तराखंड वासियों के लिए विशेष काउंटर स्थापित करने हेतु तत्काल बात की जाएगी, ताकि प्रदेशवासियों को त्वरित एवं सरल चिकित्सा सेवा मिल सके।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए सरकार ठोस स्वास्थ्य नीति पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री स्वयं भी जल्द ही चौखुटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करेंगे और व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अल्मोड़ा जनपद के चौखुटिया में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की क्षमता को बढ़ाते हुए इसे 30 बेड से विस्तारित कर 50 बेड का अस्पताल बनाया जाएगा। इसके साथ ही अस्पताल में अत्याधुनिक डिजिटल एक्स-रे मशीन भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि पहाड़ के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। इसी उद्देश्य से चौखुटिया में उप जिला चिकित्सालय के निर्माण से संबंधित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन परिषद को कार्यदायी संस्था नियुक्त किया गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com